

प्रत्यक्ष प्रमाण का एक भेद 2. ऐसा सीधा अनुभव जिसका बोध नेत्रों द्वारा हो 3. छठे मनु का नाम 4. स्वयंभू मनु के पुत्र का नाम 5. चौदहवे मन्वन्तर के एक देवगण का नाम।

चाक्षुष यज्ञ पुं. (तत्.) सुंदर दृश्य को देखकर संतुष्ट होने की क्रिया या भाव, नाटक आदि देखना।

चाख पुं. (तद्.) नीलकंठ पक्षी।

चाखनहार वि. (देश.) चखने वाला, स्वाद लेने वाला।

चाचपुट पुं. (तत्.) ताल के साठ मुख्य भेदों में से एक।

चाचर पुं. (तद्.) मस्तक।

चाचर-चाचरी स्त्री. (तद्.) 1. होली के अवसर पर (वसंत में) गाया जाने वाला एक क्षेत्रीय लोकगीत। चर्चरी राग जिसके अंतर्गत होली, फाग, स्वांग आदि लोकगीत गाए जाते हैं 2. उपद्रव, दंगा 3. युद्धक्षेत्र।

चाचरी स्त्री. (तद्.) योग की एक मुद्रा।

चाचा पुं. (देश.) पिता का भाई, काका।

चाची स्त्री. (देश.) चाचा की पत्नी, काकी।

चाट स्त्री. (देश.) 1. चटपटी चीजें खाने या चाटने की प्रबल इच्छा, स्वाद लेने की इच्छा 2. एक बार किसी वस्तु का आनंद लेने के बाद पुनः उसी का आनंद लेने की तीव्र लालसा, चसका 4. प्रबल इच्छा, लोलुपता 4. लत 5. मिर्च, खटाई, नमक आदि डालकर बनाई हुई चरपरे स्वाद की भोज्य वस्तु जैसे- आलू टिक्की दही बड़े आदि जैसी वस्तुएँ पुं. (तत्.) विश्वासघाती चोर, ठग, वह जो किसी के मन में अपने प्रति विश्वास पैदा करके उसका धन हरण कर ले।

चाट की टँगड़ी स्त्री. (देश.) कुश्ती का एक ढाँच-पेंच जो उस समय काम में लाया जाता है जब प्रतिपक्षी पहलवान पेट के नीचे घुस जाता है और अपना बायाँ हाथ उसकी कमर पर रख लेता है।

चाटना स.क्रि. (तत्.) 1. खाने या स्वाद लेने के लिए किसी वस्तु को जीभ से ग्रहण करना 2. पोंछ कर खा जाना, चट कर जाना 3. प्यार से किसी वस्तु पर जीभ फेरना 4. कीड़ों द्वारा किसी वस्तु को खा जाना प्रयो. गाय बछड़े को चाट रही है, दीमक किवाड़ को पूरी तरह चाट गई 5. धन संपत्ति पूरी तरह हड़प लेना, बेच देना 6. खुशामद करना।

चाटु पुं. (तत्.) 1. मीठी बात 2. झूठी प्रशंसा, चापलूसी, खुशामद।

चाटुक पुं. (तत्.) मीठी बात।

चाटुकार पुं. (तत्.) 1. खुशामद करने वाला व्यक्ति, प्रशंसक, खुशामदी व्यक्ति वि. खुशामदी।

चाटुकारिता स्त्री. (तत्.) मिथ्या प्रशंसा करने की क्रिया या भाव।

चाटुकारी स्त्री. (तत्.) झूठी प्रशंसा करने का काम वि. खुशामदी।

चाटुलोल वि. (तत्.) 1. चाटुकार 2. कुशल चापलूस 3. खूबसूरती से हिलने-डुलने वाला।

चाटूक्ति स्त्री. (तत्.) खुशामद, चापलूसी, चापलूसी से युक्त कथन या बात।

चाड़ी स्त्री. (देश.) चुगली, पिशुनता, पीठ पीछे की गई निंदा।

चाणक पुं. (तत्.) चाल, ईर्ष्या, कपट।

चाणक्य पुं. (तत्.) चणक ऋषि के वंश में उत्पन्न एक बड़े विचारक विद्वान जिनका 'अर्थशास्त्र', राजनीति का प्रसिद्ध ग्रंथ है, उनका नाम "विष्णुगुप्त" था, वे चंद्रगुप्त के प्रधानमंत्री थे तथा वे "कौटिल्य" नाम से भी जाने जाते हैं।

चाणाक्ष वि. (तत्.) दूरदर्शी, क्रांतिदर्शी।

चाणूर पुं. (तत्.) कंस का प्रसिद्ध मल्ल जिसे मथुरा में आयोजित धनुष यज्ञ में श्रीकृष्ण ने कुश्ती में पछाड़ कर मारा था।